विद्याभवन , बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

विषय-हिंदी ***दिनांक-22/05/2020***
वर्ग- पंचम ***वर्ग-शिक्षिका — नीतू कुमारी***

पाठ-1(सरस्वती वंदना)

सुप्रभात बच्चों ,

पिछली कक्षा में आपको सरस्वती वंदना कविता का अर्थ बताया गया था। हमें विश्वास है की आप कविता का अर्थ समझ गये होंगे। आज उसी पाठ की कविता का सप्रसंग व्याख्या करना है। जो इस प्रकार है :—

1.निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए—

(क) *वर दे वीणावादिनी वर दे,*
प्रिय स्वतंत्र श्व अमृत मंत्र नव
भारत में भर दे।
(ख) *कलश भेद तम हर प्रकाश भर,*
जगमग जग भर दें।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के भावार्थ लिखिए:—

(क) *काट अंध उर के बंधन स्तर*
बहा जननी ज्योतिर्मय निर्झर
(ख) *नव नभ के नव विहग वृंद को*
नव पर नव स्वर दें।

बच्चों दी गयी अध्ययन सामग्री की व्याख्या शुद्ध-शुद्ध तथा सुंदर अक्षरों में अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

गृहकार्य :—

'निराला' की संक्षिप्त जीवनी लिखें तथा उनका चित्र चिपकाएँ।

घर में रहें, सुरक्षित रहें।